इकाई-IV

13. खुशबू रचते हैं हाथ

रचनाकार

अरुण कमल का जन्म बिहार के रोहतास ज़िले के नासरीगंज में 15 फरवरी 1954 को हुआ। वे पटना विश्वविद्यालय में प्राध्यापक रहे हैं। इन्हें इनकी कविताओं के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार सहित कई अन्य पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया। इन्होंने कविता-लेखन के अलावा कई पुस्तकों और रचनाओं का अनुवाद भी किया है।

अरुण कमल की प्रमुख कृतियाँ हैंः अपनी केवल धार, सबूत, नए इलाके में, पुतली में संसार (चारों कविता संग्रह) तथा कविता और समय (आलोचनात्मक कृति)। इनके अलावा अरुण कमल ने मायकोव्यस्की की आत्मकथा और जंगल बुक का हिंदी में और हिंदी के युवा कवियों की कविताओं का अंग्रेज़ी अनुवाद किया, जो 'वॉयसेज' नाम से प्रकाशित हुआ।

अरुण कमल की कविताओं में नए बिंब, बोलचाल की भाषा, खड़ी बोली के अनेक लय-छंदों का समावेश है। इनकी कविताएँ जितनी आपबीती हैं, उतनी ही जनबीती भी। इनकी कविताओं में जीवन के विविध क्षेत्रों का चित्रण है। इस विविधता के कारण इनकी भाषा में भी विविधता के दर्शन होते हैं। ये बड़ी कुशलता और सहजता से जीवन-प्रसंगों को कविता में रूपांतरित कर देते हैं।

प्रस्तावना प्रसंग

बाज़ लोग जिनका कोई नहीं होता
और जो कोई नहीं होते,
कहीं के नहीं होते–
झुण्ड बाँधकर चलाते हैं फावड़े
और देखते-देखते उनके
ऊबड़-खाबड़ पैरों तक
धरती की गहराइयों से
एक दम उमड़े आते हैं
पानी के सोते।

– अनामिका

प्रश्न

1. कवि ने 'बाज़ लोग' किसे कहा है?
2. मज़दूरों का हमारे विकास में क्या योगदान रहा है?
3. मज़दूर हमारे लिए अथक परिश्रम करते हैं, फिर भी उनकी स्थिति दयनीय क्यों है?

भूमिका

प्रस्तुत कविता 'खुशबू रचते हैं हाथ' सामाजिक विषमताओं को बेनकाब करती है। यह किसकी और कैसी कारस्तानी है कि जो वर्ग समाज में सौंदर्य की सृष्टि कर रहा है और उसे खुशहाल बना रहा है, वही वर्ग अभाव में, गंदगी में जीवन बसर कर रहा है? लोगों के जीवन में सुगंध बिखेरनेवाले हाथ भयावह स्थितियों में अपना जीवन बिताने पर मजबूर हैं! क्या विडंबना है कि खुशबू रचनेवाले ये हाथ दूरदराज़ के गंदे और बदबूदार इलाकों में जीवन बिता रहे हैं। स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान करनेवाले ये लोग इतने उपेक्षित हैं! आखिर कब तक?

SCERT TELANGANA

कई गलियों के बीच
कई नालों के बीच
कूड़े-करकट
के ढेरों के बाद
बदबू से फटते जाते इस
टोले के अंदर
खुशबू रचते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ।

उभरी नसोंवाले हाथ
घिसे नाखूनोंवाले हाथ
पीपल के पत्ते-से नए-नए हाथ
जूही की डाल-से खुशबूदार हाथ

गंदे कटे-पिटे हाथ
ज़ख्म से फटे हुए हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ।
यहीं इस गली में बनती हैं
मुल्क की मशहूर अगरबत्तियाँ
इन्हीं गंदे मुहल्लों के गंदे लोग
बनाते हैं केवड़ा गुलाब खस और रातरानी
अगरबत्तियाँ
दुनिया की सारी गंदगी के बीच
दुनिया की सारी खुशबू
रचते रहते हैं हाथ

खुशबू रचते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ।

SCERT TELANGANA

प्रश्न–अभ्यास

अर्थग्राह्यता–प्रतिक्रिया

❖ विचार–विमर्श

1. हम जो कुछ भी पहनते, ओढ़ते व खाते–पीते हैं, वह हम तक बहुत लोगों के सहयोग से पहुँचता है। समाज में एक–दूसरे के सहयोग के महत्व पर प्रकाश डालिए।
2. हम जो खूबसूरत चीज़ें देखते हैं, ज़रूरी नहीं कि उन्हें तैयार करने वालों की ज़िंदगी भी वैसी ही खूबसूरत हो। इसके कारणों पर विमर्श कीजिए।

❖ पढ़ना, भाव समझना और भाव विस्तार

क. पाठ में उत्तर ढूँढ़िए।

1. कविता में कितने तरह के हाथों की चर्चा हुई है?
2. जहाँ अगरबत्तियाँ बनती हैं, वहाँ का माहौल कैसा होता है?
3. 'खुशबू रचनेवाले हाथ' कैसी परिस्थितियों में कहाँ–कहाँ रहते हैं?

ख. पाठ समझकर उत्तर दीजिए।

1. भाव स्पष्ट कीजिए।

   क. पीपल के पत्ते–से नए–नए हाथ
   जूही की डाल से खुशबूदार हाथ

   ख. 'दुनिया की सारी गंदगी के बीच
   दुनिया की सारी खुशबू
   रचते रहते हैं हाथ'

2. 'खुशबू रचते हैं हाथ' लिखने का मुख्य उद्देश्य क्या रहा होगा?
3. 'खुशबू रचते हैं हाथ' कवि ने ऐसा क्यों कहा है?

ग. पढ़ने की योग्यता का विस्तार

प्रस्तुत पद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

लिखा हुआ था सीट पर– वरिष्ठ नागरिक।
पसरे हुए थे, उसमें दो बलिष्ठ नागरिक।
हमने कहा– ऐ नौजवानो! सीट छोड़िए।
आपे से बाहर हो गये वे धृष्ट नागरिक।

SCERT TELANGANA

जोश-ए-जवानी में अक्सर भूलते हैं लोग,
एक दिन उन्हें भी होना है, वरिष्ठ नागरिक।
दिल हैं उनके छोटे, और सोच उनकी तंग,
औरों को जो समझते हैं, कनिष्ठ नागरिक।
खुदगर्ज़ियों और लालचों की अंधी दौड़ में,
एक-दूसरे का कर रहे, अनिष्ट नागरिक।

प्रश्न 1. इस कविता को उचित शीर्षक दीजिए।
2. वे नौजवान आपे से बाहर क्यों हो गये?
3. आजकल वरिष्ठ नागरिकों की क्या समस्याएँ हैं?
4. आप के दृष्टिकोण से वरिष्ठ नागरिकों को क्या-क्या सुविधाएँ मिलनी चाहिए?
5. भारतीय संस्कृति में बड़े-बुजुर्गों के सम्मान को विशेष महत्व दिया गया है। स्पष्ट कीजिए।

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

❖ स्वाभिव्यक्ति

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्यों में लिखिए।

1. कार्यालय के कर्मचारियों एवं मज़दूरों की जीवनशैली में क्या अंतर होता है?
2. कुछ व्यवसायों में सम्मान अधिक है किंतु आमदनी कम; कुछ में आमदनी अधिक है किंतु सम्मान कम। आप किसे श्रेष्ठ मानेंगे? कारण सहित बताइए।
3. मानव के विकास में मज़दूरों का क्या योगदान है?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ-दस वाक्यों में लिखिए।

1. कवि अरुण कमल ने खुशबू रचते हैं हाथ के माध्यम से किस व्यवस्था के खिलाफ़ आवाज़ उठाने की चेष्टा की है?
2. मज़दूरों की स्थिति में सुधार लाने के लिए क्या-क्या प्रयास किए जाने चाहिए।

❖ सृजनात्मक कार्य

भारत में बढ़ती हुई बेरोज़गारी को दूर करने के लिए हस्तकलाकारों को किस प्रकार की सुविधाएँ मिलनी चाहिए, ताकि कला भी जीवित रहे और उनके जीवन स्तर में भी सुधार आए। इस विषय पर प्रकाश डालते हुए 'हस्तकला का संरक्षण' विषय पर एक निबंध लिखिए।

SCERT TELANGANA

❖ प्रशंसा

इस कविता में निचले स्तर के मज़दूरों की स्थिति का चित्रण है। इस प्रकार के मज़दूर हमारे जीवन को सुखमय व सौंदर्यपूर्ण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गलियों, पार्कों व सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता एवं सुंदरता इन्हीं मज़दूरों से कायम है। इन अमूल्य कार्यों का महत्व बताइए।

भाषा की बात

1. पर्याय की दृष्टि से बेमेल शब्द बताइए।
   - दुनिया, विश्व, संसार, प्रकृति, जग
   - हाथ, कर, काया, हस्त, भुजा
   - कमल, जलज, राजीव, नयन, पंकज
2. पाठ में बदबू एवं खुशबू शब्द का अत्यंत सुंदर प्रयोग हुआ है। बदबू और खुशबू एक-दूसरे के विपरीतार्थी हैं। ये शब्द क्रमशः बद और खुश उपसर्ग से बने हैं। इन उपसर्गों से दो-दो अन्य शब्द बनाइए। उनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

परियोजना कार्य

अगरबत्ती बनाना, माचिस बनाना, मोमबत्ती बनाना, लिफ़ाफ़े बनाना, पापड़ बनाना, मसाले कूटना आदि में से किन्हीं दो लघु उद्योगों के बारे में जानकारी इकट्ठा कीजिए। चार्ट पर प्रस्तुत कीजिए।

SCERT TELANGANA